हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 1 जून 2026

तापमान
अधिकतम 37 .5 डिग्री
न्यूनतम 21 . 0 डिग्री

11 सैनिक सदन की जमीन की राशि स्वीकृत होने पर सीएम व विधायक का जताया आभार

12 युवाओं ने लिया संकल्प, तंबाकू उत्पादों से रहेंगे दूर, परिवार व लोगों को भी करेंगे जागरूक

अटके पड़े विकास कार्यों को मिलेगी गति, शपथ के बाद वीसी का भी होगा चुनाव

आज से एक्शन मोड में 'शहर की सरकार' शपथ के साथ शुरू होगा विकास का सफर

नरेन्द्र वत्स ▶▶ रेवाड़ी

'शहर की सरकार' को चुने हुए दो सप्ताह से अधिक का समय हो गया है, लेकिन शपथ के बिना इसने अपना कामकाज शुरू नहीं किया है। जून माह के पहले ही दिन केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह नवनिर्वाचित प्रधान और सदस्यों को शपथ दिलाएंगे। इसके बाद नगर परिषद के पदाधिकारी कामकाज शुरू कर देंगे। सही मायने में शपथ के बाद शहर के विकास का नया सफर शुरू होने जा रहा है। इसके साथ ही वाइस चेयरमैन का चुनाव भी जल्द होने की उम्मीद है। बीते 10 मई को हुए नगर परिषद के चुनावों के बाद 13 मई को परिणाम घोषित हुए थे। चेयरमैन के रूप में विनीता पीपल निर्वाचित हुई थीं। भाजपा को 32 वार्डों में 12 में जीत हासिल हुई थी, जबकि एक वार्ड में कांग्रेस के शहरी जिलाध्यक्ष प्रवीन चौधरी को सफलता मिली थी। 19 पार्षद निर्दलीय जीतकर आए हैं, जिनमें से 10 ने चुनाव परिणाम घोषित होते ही राव इंद्रजीत सिंह का आशीर्वाद लेते हुए भाजपा का पटका पहन लिया था। भाजपा चेयरमैन के लिए निर्दलीय पार्षदों का साथ जुड़ना नगर परिषद की सरकार चलाने में आसान साबित होगा। इन पार्षदों के पार्टी में शामिल होने के साथ ही बहुमत की चिंता भी खत्म हो चुकी है। हालांकि निर्दलीय पार्षदों को एकजुट करने के लिए विपक्ष भी

रेवाड़ी। नगर परिषद कार्यालय परिसर। फोटो : हरिभूमि

अंदरखाने प्रयास कर रहा है, ताकि वाइस चेयरमैन का पद हासिल करने के लिए जोड़-तोड़ की जा सके। विपक्ष के लिए यह कार्य इतना आसान नहीं है। निर्दलीय चुने गए पार्षदों में कई ऐसे भी हैं, जिन्होंने भाजपा या कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने के बाद चुनाव लड़ा था। सरकार के साथ चलने की नीति अपनाते हुए यह पार्षद 'ट्रिपल इंजन सरकार' में ही सफर करना ज्यादा पसंद करेंगे।

कार्यक्रम को भव्य बनाने की तैयारी पूरी

शपथ ग्रहण समारोह को भव्य बनाने को लेकर नगर परिषद प्रशासन की ओर से व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। नप प्रांगण में लंबा-चौड़ा टैंट लगाया गया है, ताकि अधिक से अधिक लोगों के बैठने का इंतजाम रहे। समारोह में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के समर्थकों का ही बोलबाला रहने की संभावना है। उनके विरोधी खेम से जुड़े भाजपा नेता किनारा कर सकते हैं। शपथ दिलाने के साथ ही राव नई टीम को शहर के विकास को लेकर खास मंत्र भी दे सकते हैं।

राव इन्द्रजीत सिंह

विनीता पीपल

समर्थक के सिर सजेगा वीसी का ताज

नगर परिषद के पिछले चुनावों में जहां नगर परिषद की चेयरमैन राव समर्थित पूनम यादव बनी थीं, वहीं राव ने ही पंजाबी समाज को सम्मान देते हुए श्याम चुघ को वाइस चेयरमैन बनवाया था। विरोधी खेमे के वाइस चेयरमैन पद हथियाने के प्रयास सिरे नहीं चढ़ सके थे। इस बार भी बहुमत होने के कारण वाइस चेयरमैन राव खेमे से ही बनाए जाने की प्रबल संभावनाएं हैं। इनमें तीन बार से अधिक बार चुने जाने वाले पार्षदों में से किसी एक का नाम सामने आ सकता है।

शहर के विकास को मिल सकेगी गति

पिछले कार्यकाल में नगर परिषद भ्रष्टाचार के मामले में काफी चर्चा में रही थी। रिश्वत के आरोप में नप के कई अधिकारियों को जेल यात्रा करनी पड़ी थी। सरकारी जमीनों पर कब्जों के प्रयास के मामले भी सामने आए थे। प्रॉपर्टी आईडी में खुलकर भ्रष्टाचार की बातें सामने आई थीं। इस बार शहर की नई सरकार से विकास के मामले में कुछ नया करने की पूरी संभावना है। केंद्रीय मंत्री खुद नगर परिषद की बैठकों में शामिल होने की बात कह चुके हैं, जिस कारण नई सरकार से शहर के विकास को गति मिलने की पूरी संभावना है।

टायर फटने के बाद कार पलटी, नीचे दबकर चालक की मौत

रेवाड़ी। बेरली रोड पर रविवार तड़के मांढैया के पास एक कार टायर फटने के बाद पलट गई। इस हादसे में चालक कार के नीचे दब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। बोड़िया कमालपुर निवासी लगभग 40 वर्षीय विकास कार लेकर किसी काम से घर से निकला था। मांढैया से पहले उसकी कार टायर फटने के बाद पलट गई। कार पलटते ही विकास उसके नीचे दब गया। आसपास के लोगों ने मौके पर जाकर कार के नीचे दबे विकास को बाहर निकाला। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार के तीन टायर फटे हुए मिले। थाना सदर पुलिस ने सूचना मिलने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा दिया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

खबर संक्षेप

सट्टा खाईवाली करने के आरोप में काबू

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने राजीव नगर में सट्टा खाईवाली करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि राजीव नगर निवासी साहिल सार्वजनिक स्थान पर सट्टा खाईवाली कर रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने बोगस ग्राहक बनाकर आरोपी को काबू कर लिया। उसके कब्जे से सट्टे की 1100 रुपये राशि और पर्चियां बरामद हुईं। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उसके खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया गया।

मारपीट का आरोपी जांच में शामिल

रेवाड़ी। थाना खोल पुलिस ने गत वर्ष बुड़ौली में हुए झगड़े के बाद दर्ज मामले के एक आरोपी को तफ्तीश में शामिल किया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। मामले के आरोपी बुड़ौली निवासी विरेंद्र ने कोर्ट में जमानत के लिए याचिका दायर की थी। उसकी जमीनत कोर्ट ने मंजूर कर ली। जमानत मिलने के बाद पुलिस ने उसे तफ्तीश में शामिल करने के बाद छोड़ दिया। आरोपी के खिलाफ कई धाराओं के तहत मामला दर्ज है।

सड़क हादसे का आरोपी किया गिरफ्तार

बावल। पुलिस ने दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर हादसे के बाद फरार हुए एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हादसे के बाद गत वर्ष दिसंबर माह में केस दर्ज किया था। इस हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई थी। वाहन चालक मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद वाहन चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू किए थे। इस मामले में पुलिस ने नूंह के फिराजपुर नमक निवासी असलम को गिरफ्तार किया है। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

पिकअप चालक के साथ की मारपीट

बावल। कस्बे के एक युवक ने पिकअप चालक के साथ मारपीट करते हुए उसे घायल कर दिया। एक पिकअप चालक दुकानों पर वाहन से सामान की सप्लाई करता है। वह सप्लाई करने के लिए एक दुकान पर आया था। आरोप है कि कस्बे के ही एक युवक ने उसके हाथ से सामान का बिल छीन लिया। उस पर हमला कर दिया। सिर पर ईंट से हमला करने के बाद बाजार के दुकानदार एकत्रित हुए, तो आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी।

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 36.18 लाख रुपये की ठगी का चौथा आरोपी पकड़ा

■ इस मामले में तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

साइबर थाना पुलिस ने गत वर्ष अगस्त माह में सरकुलर रोड निवासी एक व्यक्ति से शेयर मोर्केट में निवेश के नाम पर 36.18 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

गत वर्ष 23 अगस्त को धीरज शर्मा ने पुलिस शिकायत में बताया था कि उसने सोशल मीडिया पर शेयर मार्केट में निवेश करने का विज्ञापन देखा था। विज्ञापन पर अंकित मोबाइल नंबर पर संपर्क करने पर उसे शेयर मार्केट में निवेश करने पर मोटा मुनाफा कमाने के टिप्स दिए गए। इसके बाद उससे अलग-अलग खाता नंबरों पर शेयर खरीदने के लिए पैसे ट्रांसफर कराने शुरू कर दिए। उससे 20 जुलाई 2025 से 19 अगस्त 2025 तक 10 बैंक खातों में कुल 3618080 रुपये ट्रांसफर करा लिए। उसके शेयर खाते में लगभग 4.33 करोड़ रुपये दर्शाए गए। जब उसने राशि निकालने का प्रयास किया, तो उससे 10 लाख रुपये और ट्रांसफर करने को कहा गया। इसके बाद उसे साइबर ठगी का अहसास हुआ। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। अब एक और आरोपी एमपी के जिला राजगढ़ के चारागंज तलेनी निवासी अभिषेक शर्मा उर्फ बंटी को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने हर्ष कदम व दीपक सिंह चौहान का बैंक खाता 20 हजार रुपये में खरीदा था। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी। फोटो : हरिभूमि

राशन लेने गई महिला ने लगाया मारपीट का आरोप

धारूहेड़ा। गांव नंदरामपुर बास में सरकारी राशन डिपो पर राशन वितरण को लेकर विवाद हो गया। एक महिला ने डिपो धारक एवं उसके परिवार के सदस्यों पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए धारूहेड़ा थाना पुलिस और खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को शिकायत दी है। सरिता निवासी नंदरामपुर बास ने शिकायत दी कि वह 30 मई को गांव के राशन डिपो पर राशन लेने गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि डिपो धारक ने बायोमेट्रिक प्रक्रिया पूरी कराने के बाद उस दिन राशन नहीं दिया और अगले दिन बलाया। महिला का कहना है कि 31 मई की सुबह जब वह अपने भाई हरीश तथा दो भाभियों के साथ राशन लेने पहुंची तो उन्हें कई घंटों तक राशन नहीं दिया गया। जब उन्होंने राशन देने के बारे में पूछा तो डिपो धारक और उसके परिवार के सदस्यों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। उन्होंने आरोप लगाया गया है कि विवाद बढ़ने पर डिपो धारक तथा उसके परिवार के उसके भाई और दोनों भाभियों व उनके साथ मारपीट की, जिससे उन्हें चोटें आईं। इसके बाद उन्होंने थाने में शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पीड़ति परिवार ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को भी शिकायत भेजकर डिपो धारक के लाइसेंस की जांच कराने तथा आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

सुनार की दुकान में चोरी का एक आरोपी काबू, तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया

■ आरोपी के दूसरे साथी की तलाश की जा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

अप्रैल माह में भैंरू चौक पर एक सर्राफ की दुकान में सामान खरीदने के बहाने आभूषण चोरी करने के मामले में सीआईए ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट से तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है। आरोपी के दूसरे साथी की तलाश की जा रही है।

पुलिस को दर्ज शिकायत में गांधी नगर निवासी विजय जैन ने बताया था कि उसकी भैंरू चौक पर सर्राफ की दुकान है। 18 अप्रैल को उसकी दुकान पर दो व्यक्ति आए। उन्होंने चांदी के ताबीज दिखाने के लिए कहा। दोनों ने 450 रुपये में एक ताबीज खरीद लिया। उसके बाद दोनों ने उसे सोने की कान की बाली दिखाने के लिए कहा। उसने उन दोनों को बताया कि 2 घंटे के बाद उसका बेटा दुकान पर आएगा। वही सोने की बाली दिखाएगा।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी। फोटो :हरिभूमि

सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक की

दोनों जिद करने लगे तो उसने सोने की बालियों का पैकेट उनके सामने रख दिया। इसके बाद दोनों ने उसे बातों में उलझा दिया। अगले दिन उसका बेटा सौरभ जैन दुकान पर ग्राहकों को सामान दिखा रहा था, तो उसे सोने की बालियों का पैकेट नहीं मिला। उसने फोन पर उससे पूछताछ की। इसके बाद सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक की, तो दोनों व्यक्तियों में से एक बाली का पैकेट चुराकर अपनी पेंट की जेब में डालता हुआ दिखाई दिया। पैकेट में 6 जोड़ी सोने की बाली और 2 जोड़ी झुमकी थी। सिटी पुलिस ने उसकी शिकायत पर 20 अप्रैल को केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। इसी दौरान सीआईए ने भी सीसीटीवी फुटेज देखकर आरोपियों की पहचान कराने के प्रयास शुरू किए थे। सीआईए ने इस मामले में राजस्थान के बूंदी की महावीर कॉलोनी में रह रहे मूल रूप से एमपी के हुसैन टीकरी जावरा निवासी असन अली को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट से तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है। उसके दूसरे साथ का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

साहबी नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए निकाली जन चेतना यात्रा

रेवाड़ी। मसानी स्थित साहबी नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने और जमा गंदे पानी की समस्या के समाधान की मांग को लेकर रविवार को जन चेतना यात्रा निकाली गई। ब्रह्माकुमारी संस्थान की ओर से संचालित यात्रा को दिव्य दर्शन भवन की सेंटर इंचार्ज बीके कमलेश ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जन चेतना यात्रा में जीतपुरा, तितरपुर, मसानी, रसगण, डूंगरवास, निखरी, निगाणियावास, रालियावास, पचगांव तथा जड़थल गांवों के पंच, सरपंच और बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल थे। इस अवसर पर बीके रेणु, बीके सरोज और बीके रविन्द्र भी मौजूद थे। इस दौरान ग्रामीणों ने साहबी नदी में बढ़ते प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए इसे स्वच्छ और सुरक्षित बनाने की मांग उठाई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि साहबी नदी के पानी में फैली गंदगी क्षेत्र के लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। प्रदूषित पानी के कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ रही है। साथ ही नदी के आसपास की उपजाऊ कृषि भूमि भी प्रभावित हो रही है, जिससे किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो भूमिगत जल भी प्रदूषण की चपेट में आ सकता है, जिसका असर आने वाली पीढ़ियों तक देखने को मिलेगा। उन्होंने प्रशासन से साहबी नदी में जमा गंदे पानी की निकासी और प्रदूषण रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की। जन चेतना यात्रा के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण, स्वच्छ पर्यावरण और नदी बचाओ अभियान के प्रति जागरूक रहने का संदेश भी दिया गया।

रेवाड़ी। साहबी नदी की समस्या को लेकर यात्रा में शामिल लोग।

बीच-बाजार सामान सप्लायर को धुना, पुलिस के पहुंचते ही आरोपी फरार

बावल। अनाजमंडी के पास एक दुकान पर परचून के सामान की सप्लाई करने के लिए पहुंचे युवक पर दूसरे युवक ने हमला कर दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, तो आरोपी वहां से फरार हो गया। पुलिस ने घायल के बयान पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। दुकानों पर चिप्स व कुरकुरे सप्लाई करने वाला पंजाबी मोहल्ला निवासी पियूष एक दुकान पर पिकअप गाड़ी लेकर गया था। उसे पिता ने पुलिस शिकायत में बताया कि कस्बे का ही रहने वाला अंकित नाम का युवक पियूष की गाड़ी का पहले से पीछा कर रहा था। उसने पियूष से सामान का बिल दिखाने को कहा। मना करने पर उसने ईंट उठाकर पियूष पर हमला कर दिया। घायल पियूष ने पुलिस को मामले की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस की ईआरवी मौके पर पहुंच गई। इसी दौरान अंकित वहां से फरार हो गया। घायल अंकित को अस्पताल में दाखिल कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। उसके पिता की शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

रेवाड़ी। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और एकत्रित हुए लोग। फोटो : हरिभूमि

मारपीट के बाद एकत्रित हुई भीड़

युवक के साथ सरेआम मारपीट होते देखकर आसपास के दुकानदार और वहां से गुजर रहे लोग एकत्रित हो गए। दुकानदारों ने पुलिस से मांग की कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि बाजार में भविष्य में इस तरह की घटनाएं नहीं हों। पुलिस ने भी मौके पर पहुंचने के बाद आरोपी को तलाश करने के प्रयास किए, लेकिन वह हत्थे नहीं चढ़ा सका था।

केंद्रीय मंत्री आज रेवाड़ी रींगस स्पेशल रेलसेवा को करेंगे रवाना

रेवाड़ी। रेलवे की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी संख्या 74001/74004 दिल्ली-रेवाड़ी पैसेंजर ट्रेन का रींगस रेलवे स्टेशन तक विस्तार किया जा रहा है। उत्तर-पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन, योजना राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति राज्य मंत्री भारत सरकार राव इंद्रजीत सिंह एक जून को उद्घाटन स्पेशल गाड़ी संख्या 09725 रेवाड़ी-रींगस स्पेशल रेलसेवा को सुबह 11:30 बजे रेवाड़ी रेलवे जंक्शन से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

विद्यार्थी व अभिभावक कॉलेज पहुंचे तथा प्रवेश, पंजीकरण और दस्तावेज सत्यापन से संबंधित जानकारी प्राप्त की

संडे को भी खुला केएलपी का हेल्प डेस्क, प्रवेश के लिए पहुंचे विद्यार्थी

कॉलेज प्रशासन की इस पहल से विद्यार्थियों को काफी सुविधा मिली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

उच्च शिक्षा विभाग की ओर से संचालित प्रवेश प्रक्रिया के तहत केएलपी कॉलेज में रविवार को भी एडमिशन हेल्प डेस्क सक्रिय रहा। अवकाश के दिन भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी और अभिभावक कॉलेज पहुंचे तथा प्रवेश, पंजीकरण और दस्तावेज सत्यापन से संबंधित जानकारी प्राप्त की। कॉलेज प्रशासन की इस पहल से विद्यार्थियों को काफी सुविधा मिली और उन्हें आवेदन प्रक्रिया पूरी करने में मदद मिली। प्राचार्य डा. कविता गुप्ता के अनुसार अभिभावकों के अनुरोध पर उच्च शिक्षा विभाग पंजीकरण की तिथि बढ़ा सकता है, जिस कारण विद्यार्थियों और अभिभावकों को इस पर नजर बनाए रखनी चाहिए। डॉ. कविता गुप्ता ने बताया कि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए कॉलेज प्रशासन द्वारा रविवार को भी हेल्प डेस्क संचालित की गई। प्रवेश से जुड़ी शंकाओं का समाधान करने के साथ-साथ आवेदन पत्रों में आई त्रुटियों को दूर करने के लिए भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया गया। उन्होंने कहा कि कॉलेज का उद्देश्य प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक उच्च शिक्षा का अवसर पहुंचाना है। इसी सोच के साथ प्रवेश प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और विद्यार्थी हितैषी बनाया गया है। रविवार को भी शिक्षकों और कर्मचारियों ने पूरी जिम्मेदारी के साथ अपनी सेवाएं देकर विद्यार्थियों का सहयोग किया।

रेवाड़ी। केएलपी कॉलेज में हेल्प डेस्क पर कागजाजों की जांच करते शिक्षक।

प्रतिष्ठित महाविद्यालयों में शुमार

यह महाविद्यालय शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में शुमार है। प्रधान रिपुदमन गुप्ता एवं उनकी टीम के नेतृत्व में कॉलेज प्रबंधन विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। वहीं प्राचार्य डॉ. कविता गुप्ता की कार्यकुशलता एवं प्रभावी प्रशासनिक नेतृत्व के परिणामस्वरूप महाविद्यालय निरंतर प्रगति के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

ऑनलाइन माध्यम से दे रहे सूचना

एडमिशन नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश शर्मा ने बताया कि जिन विद्यार्थियों के आवेदन पत्रों में ऑब्जेक्शन लगाए गए हैं, उन्हें ऑनलाइन माध्यम से सूचित किया जा रहा है। ऐसे विद्यार्थी समय रहते आवश्यक सुधार कर पुनः आवेदन जमा करें, जिससे उनका नाम मेरिट सूची में शामिल हो सके। रविवार को भी एडमिशन हेल्प डेस्क पर विद्यार्थियों की अच्छी-खासी मौजूदगी विद्यार्थियों की पहली पसंद का संकेत दे रही है।

जो शिक्षा हमें निर्बलों को सताने के लिए तैयार करे, जो हमें धरती और धन का ग़ुलाम बनाए, जो हमें भोग-विलास में डुबाए, जो हमें दूसरों का ख़ून पीकर मोटा होने का इच्छुक बनाए, वह शिक्षा नहीं भ्रष्टता है।
- मुंशी प्रेमचंद

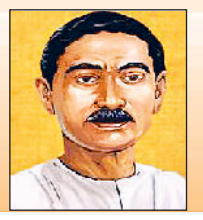

कहानी

पवन गहलोत

आंखों की जलन

एक पल के लिए उसने सोचा कि काश वह उसे बीड़ी पीने के लिए मना कर देता, क्योंकि जब से उसने वह धुआं झेला है, तब से उसे आंखों में लगातार जलन महसूस हो रही है।

स्कूल जाने वाले बच्चे जब उसकी तरफ देखते तो वह भी मुस्कुराते हुए उनकी ओर देखता। कभी-कभार कोई बच्चा जब उसकी ओर हाथ हिलाता तो वह भी हाथ हिलाते हुए आत्मिक संतुष्टि से भर जाता।

जनवरी महीने की ठिठुरती ठण्ड में सुबह पांच बजे ही वह शहर के चौराहे के पुल के नीचे खम्भे के पास अपने ठिकाने पर पहुंच गया। वहां पहुंचने के बाद जब वह अपने कंधे पर टंगा औजारों का थैला जमीन पर रखने के लिए झुका तो जमीन पर बहुत सारे बीड़ी के टुकड़ों और माचिस की जली हुई तीलियों को देखकर वह अचरज में पड़ गया। अपने कंधों को उचकाते हुए वह सोचने लगा कि ये इतने सारे बीड़ी के टुकड़े आखिर यहां पर आए कैसे। दिमाग पर काफी जोर डालने के बाद भी वह कुछ भी याद नहीं कर पा रहा था। बीड़ी के टुकड़ों और माचिस की जली हुई तीलियों के अलावा वहां पर प्लास्टिक की कुछ थैलियां भी इकट्ठा हो गई थी। ऐसा शायद पिछली रात आंधी आने के कारण हुआ होगा - वह अनुमान लगाने लगा।

अपने ठिकाने पर फैले उस ढेर सारे कूड़े को देखकर वह एक पल के लिए हौले से मुस्कुराया और धीमे-धीमे कदमों से सड़क के किनारे की ओर चल दिया। वहां पर एक दुकान के सामने नाली के ढक्कन की ओट में रखी एक टूटी-सी झाड़ू को उठाया और फिर से धीमे-धीमे कदमों से चलते हुए अपने ठिकाने पर वापस आ गया। असल में कुछ तिनकों का गुच्छा भर वह झाड़ू खुद कूड़े जैसी लग रही थी। लेकिन उसने उसे कई दिनों से कूड़ा साफ करने के लिए संभालकर रखा हुआ था। उस टूटी-सी झाड़ू से जमीन की सफाई करने में उसे लगभग पैंतीस-चालीस मिनट लग गए। भले ही देरी से हो, लेकिन लगातार जुटे रहने से काम आखिर हो ही जाता है। झाड़ू लगाने के बाद इकट्ठे हुए कचरे को उठाकर वह सड़क के दूसरे किनारे पर रखे कूड़ेदान में डाल आया। बुढ़ापे में कमजोर शरीर होने के कारण वह काफी थक गया था। क्योंकि उसकी दुकानदारी का समय शुरू होने वाला था इसलिए सफाई करने के बाद उसने सोचा कि अगर वह झाड़ू को वापस सड़क के किनारे दुकान के सामने नाली के ढक्कन की ओट में रखने जाएगा तो उसे काफी समय लग जाएगा। इसलिए उसने उस तिनकों वाली झाड़ू को वहीं खम्भे के पास ही रख दिया। उसका कुर्ता पसीने से लगभग पूरा भीग चुका था। अपने शरीर से चिपके पसीने से तर कुर्ते को उसने अपने सीने से थोड़ा ऊपर उठाया। जब उसमें से सुबह की ठण्डी-ठण्डी हवा गुजरी तो उसने थोड़ी राहत की सांस ली। इसके बाद अपनी मुड़ी हुई कमर पर दोनों हाथ रखकर उसे सीधा करने का प्रयास करने लगा। ऐसा करने से उसे थोड़ा-सा आराम मिलने का आभास हुआ। इसके बाद अपने थैले से उसने मोटे-से कपड़े का एक टुकड़ा निकाला और उसे वहीं खम्भे के साथ बिछा दिया।

इसके बाद अपने थैले से एक-एक करके औजारों और अन्य सामानों को निकाला और उन्हें वहीं पर ईंटों के बने हुए एक छोटे-से चबूतरे पर तरतीब के साथ खंभे से अपनी पीठ टिकाकर उस मोटे-से कपड़े के ऊपर बैठ गया। अपनी जूते मरम्मत एवं पॉलिश की दुकान सजाने के बाद उसने ऊपर आसमान की ओर देखना चाहा, लेकिन पुल होने की वजह से उसे आसमान नजर नहीं आया। वैसे तो वह एक व्यस्त चौराहा था, लेकिन अभी लोगों का आना-जाना शुरू नहीं हुआ था। वह बड़े शांत मन से ग्राहकों का इंतजार करने लगा। अपनी जगह पर बैठा वह सुबह-सुबह सड़क से गुजरने वाले लोगों को देख रहा था।

स्कूल जाने वाले बच्चे जब उसकी तरफ देखते तो वह भी मुस्कुराते हुए उनकी ओर देखता। कभी-कभार स्कूल की किसी बस में बैठा कोई बच्चा जब उसकी ओर हाथ हिलाता तो बदले में उसकी ओर हाथ हिलाते हुए वह आत्मिक संतुष्टि से भर जाता। कुछ ही देर में उसे अपनी आंखों में जलन-सी महसूस हुई। पिछले कुछ दिनों से उसकी आंखों में कुछ तकलीफ है। कब से और किस वजह से है, इस बारे में उसे कुछ भी नहीं पता था। वह बार-बार याद करने का प्रयास करता कि आखिर उसकी आंखों को हुआ क्या है, लेकिन काफी सोचने पर भी वह सही ढंग से कुछ भी याद नहीं कर पा रहा था। दिमाग पर ज्यादा जोर ना डालने की मंशा से उसने इस बारे में सोचना छोड़ दिया और फिर से ग्राहकों का इंतजार करने लगा। लेकिन मन भला शांत कैसे रह सकता है। हमेशा कुछ-न-कुछ सोचते रहना ही तो स्वभाव है मन का। विचारों की गलियों में घूमते हुए उसे कल वाले ग्राहक का ख्याल आया। कल उसके पास एक व्यक्ति अपने जूतों की मरम्मत करवाने के लिए आया था। वह बिल्कुल भी जल्दी में नहीं था। उसे याद आया कि जब उसने उससे पूछा कि जूते कितनी देर में वापस चाहिए, तब उसने कहा था कि काम सही होना चाहिए, समय चाहे कितना भी लग जाए। इसके बाद जब तक वह उसके जूतों की मरम्मत करता रहा, तब तक वह लगातार बीड़ी पीता रहा। उसके बिल्कुल पास बैठे होने तथा हवा का रुख उसी की ओर होने के कारण बीड़ी का धुआं सीधे उसके चेहरे की ओर आ रहा था। अब क्योंकि वह ग्राहक था इसलिए उसने उसे कुछ नहीं कहा और चुपचाप उस तेज धुएं को झेलता रहा। एक पल के लिए उसने सोचा कि काश वह उसे बीड़ी पीने के लिए मना कर देता, क्योंकि जब से उसने वह धुआं झेला है, तब से उसे आंखों में लगातार जलन महसूस हो रही है। इसके साथ ही उसे सब कुछ धुंधला-सा नजर आने लगा है। फिर अगले ही पल उसके मन में ख्याल आया कि - नहीं ऐसा सोचना गलत है, ग्राहक भगवान होता है। हमें उसकी किसी भी बात का बुरा नहीं मानना चाहिए। विचारों के आकाश में विचरण हुए उसे पता ही नहीं चला कि कब सूरज ने अपनी किरणें धरती की ओर उछाल दी। उसने सोचा कि अब तो दिन चढ़ने लगा है कोई न कोई ग्राहक तो अब तक आ ही जाना चाहिए था। सुबह-सुबह अच्छा काम मिलने की मंशा से वह अपने ठिकाने पर सुबह जल्दी पहुंच जाता था, लेकिन अक्सर दोपहर तक भी उसको कोई ग्राहक नहीं मिलता। असल में अधिकतर लोगों को उसकी उम्र देख कर ऐसा लगता था कि वह अपने काम को सही ढंग से नहीं कर पाएगा।

सुबह के दस बज चुके थे। ग्राहकों के इंतजार में, अब तक कोई भी ग्राहक क्यों नहीं आया है, क्या सभी कंपनियां अच्छी गुणवत्ता के जूते बनाने लगी हैं या फिर आजकल लोगों ने जूतों की मरम्मत करवाना ही छोड़ दिया है - इसी तरह के तमाम विचारों की उधेड़बुन उसके मन में चलती रही। कुछ देर बाद जब उसे थोड़ी प्यास लगी तो वह पानी पीने के लिए अपनी जगह से उठ खड़ा हुआ और कुछ ही दूरी पर सड़क के किनारे लगी टंकी के पास जा पहुंचा। अपनी प्यास बुझाने के बाद लौटते समय वह फिर से ख्यालों की दुनिया में खो गया। उसे याद आया कि लगभग दो हफ्ते पहले जब वह पानी पीकर लौट रहा था तो उसे वहां पर एक मक्की बेचने वाला उदास खड़ा दिखाई दिया। पूछने पर उसने बताया कि पुलिस वाले ने सड़क के किनारे खड़ा होने पर उस पर जुर्माना लगा दिया था। अब जगह बदलने पर उसकी दुकानदारी में घाटा होगा। इस पर उसने बड़े अधिकारपूर्वक उससे अपने ठिकाने के पास खड़ा होने के लिए कह दिया था। उसने उसे बताया कि जिस खंबे के पास वह अपना ठिकाना बनाए हुए है, उसके दूसरी ओर की जगह काफी अच्छी है। वहां पर वह आसानी से खड़ा हो सकता है और वहां उसे कोई परेशान भी नहीं करेगा।

उसकी बात मानकर वह मक्की बेचने वाला उसके पास आ गया और खंभे के दूसरी ओर उसने अपना ठिकाना बना लिया। वह पूरे दिन मक्की बेचता। ग्राहक उससे हमेशा गर्म मक्की की मांग करते। ग्राहकों की मांग पर वह अपनी छोटी-सी भट्ठी पर मक्की गर्म करने लगता। जब वह मक्की को भट्ठी पर गर्म करता तो भट्ठी से उठने वाला धुआं खंभे के दूसरी ओर उड़ने लगता। पानी पीने के बाद अपने ठिकाने पर लौटते समय उसने खंभे की दूसरी ओर देखा तो वहां पर वह मक्की बेचने वाला अभी तक भी नहीं पहुंचा था। वह अपने ठिकाने पर आकर बैठा ही था कि उसे अपनी आंखों में फिर से जलन महसूस हुई। अपनी आंखों को मलते हुए वह फिर से विचारों की दुनिया में खो गया।

उधर वह अपने विचारों में खोया हुआ था, इधर वह मक्की बेचने वाला अपने नए ठिकाने पर पहुंच चुका था। कुछ ही देर में उसे एक व्यक्ति उसी की ओर आता हुआ दिखाई दिया। उस व्यक्ति को उम्मीद भरी नजरों से निहारते हुए उसने जूते मरम्मत के औजारों को देखकर मन ही मन सोचा कि - चलो बोहनी तो हुई। अगर दिन भर में आठ-दस ग्राहक भी आ जाएं तो मेरा काम आसानी से चल जाए। सोचते हुए वह जूते मरम्मत के औजारों की ओर देखने लगा। लेकिन उसे सब बहुत आश्चर्य हुआ, जब वह आदमी उसकी ओर ना ठहरकर उस मक्की वाले के पास जाकर रुक गया। उसने उस मक्की वाले से एक ताजा भुनी हुई मक्की मांगी। उसने मक्की को छोटी-सी भट्ठी पर रखा और भट्ठी को सुलगाने लगा। भट्ठी से उड़ता हुआ धुआं खंभे के दूसरी ओर पहुंच रहा था।

खंभे के दूसरी ओर बैठा वह बुजुर्ग व्यक्ति अपनी आंखों को मलते हुए सोच रहा था - चलो कोई बात नहीं, मेरी न सही कम से कम साथ वाले की बोहनी तो हुई। धुएं के कारण उसकी आंखों की जलन बढ़ने लगी थी। अपनी आंखों को मलते हुए वह याद करने का प्रयास करते हुए मन ही मन बुदबुदा रहा था - 'समझ में नहीं आ रहा कि आंखों में यह कम्बख्त जलन आखिर कब से होने लगी है....'

पुस्तक समीक्षा

पठनीय है डिजिटल पेरेंट्स परफेक्ट नहीं, प्रेजेंट बनें

समीक्षक

सेंट्रल डेस्क

पुस्तक 'डिजिटल पेरेंट्स : परफेक्ट नहीं, प्रेजेंट बनें-के लेखक मूल रूप से एक शिक्षक हैं। शिक्षा के क्षेत्र में अपने गहरे अनुभव के आधार पर , वे आधुनिक पेरेंटिंग की चुनौतियों को करीब से समझते हैं। लेखक का उद्देश्य माता- पिता और बच्चों के उस टूटते हुए पुल को फिर से बनाना है, जिसे डिजिटल दुनिया ने कमजोर कर दिया है। यह पुस्तक 10 डिग्री की डिजिटल सुरंग से 180 डिग्री के खुले आसमान तक की पेरेंटिंग पर ध्यान आकर्षित करती है। ड्रीम बुक पब्लिशिंग द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक आजकल के युवाओं की कृतिम एल्गोरिदम पर प्रकाश डालती है। लेखक के अनुसार पंद्रह सेकंड की रील्स ने युवाओं की एकाग्रता का अकाल ला दिया है। सोशल मीडियाके हजारों मित्रों के बीच भी हमारा बच्चा एक वास्तविक अकेलेपन से जूझ रहा है। इस पुस्तक को मुख्य रूप से तीन भागों में बांटा गया है। प्रथम- 10 डिग्री डिजिटल टनल, द्वितीय- 180 डिग्री ब्रांड विजन और तृतीय 10 डिग्री की डिजिटल सुरंग से 180 डिग्री ब्रांड विजन तक। यह किताब पेरेंटिंग की कोई रूरूलबुकर नहीं है, क्योंकि सच तो यह है किपरफेक्ट पेरेंट जैसी कोई चीज इस दुनिया में होती ही नहीं है ।

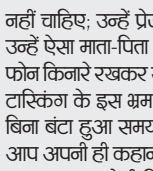

संदीप विद्यार्थी

लेखक

यह किताब एक जागृति है। यह इस बात की याद दिलाती है कि हमारे बच्चों को परफेक्ट माता-पिता नहीं चाहिए; उन्हें प्रेजेंट (उपस्थित) माता-पिता चाहिए। उन्हें ऐसा माता-पिता चाहिए जो डिनर टेबल पर अपना फोन किनारे रखकर उनकी आँखों में देख सके, जो मल्टी टास्किंग के इस भ्रम से बाहर निकलकर उन्हें अपना बिना बंटा हुआ समय दे सके। इस किताब के पन्नों में आप अपनी ही कहानी पाएंगे। यह पुस्तक आपको सोच पर मजबूर करेगी कि कहीं आपकी परवरिश आपके अपने 'डर' से परे नहीं है? यह आपको सिखाएगी कि कैसे बच्चों को छोटे-छोटे संघर्ष करने दें ताकि उनका असली आत्म-सम्मान विकसित हो सके। पुस्तक में लेखक ने वर्तमान में प्रचलित अंग्रेजी के आम बोलचाल वाले शब्दों का इस्तेमाल किया है। ऐसा शायद पाठकों की सुविधा के लिए ही किया गया है ताकि वर्तमान पीढ़ी हिन्दी के कठिन और बोझिल शब्दों के अर्थ के फेर में न पड़े और आसानी से लेखन के मर्म को समझ पाए। पुस्तक करीब 240 पृष्ठों में है। इसके बावजूद पाठकों को बांधे रखने में सक्षम जान पड़ती है। हर विषय अभिभावकों और न्यू जेनरेशन के लिए एक मार्गदर्शिका का काम करता है और उन्हें अपनी सोच में बदलाव लाने को प्रेरित करता है। कुल मिलाकर लेखक का यह प्रयास काफी सराहनीय बन पड़ा है।

कवि कॉर्नर

कविता

आनंद शर्मा

उसकी मोहब्बत

उसकी मोहब्बत
तेज बारिश-सी
और मैं...
शहरों की सड़कों-सा
डूबता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
कुटिल राजनीति-सी
और मैं...
भोली जनता-सा लुटता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
गंगा नदी-सी,
और मैं...
कूड़ा करकट समाता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
प्रगति-सी
और मैं...
पेड़ों-सा कटता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
महंगाई-सी
और मैं...
गरीब का बजट सिकुड़ता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
आधुनिकता-सी,
और मैं...
संस्कारों-सा मरता ही रहा।

कविता

सपना

जो चाहा, वो मिला नहीं

जो चाहा वो मिला नहीं ।
जो मिला वो चाहा नहीं ।।

अजीब सी कश्मकश है ये जिंदगी ।
कुछ खोया भी नहीं और पाया भी नहीं ।।

ताउम्र गुजर गई समेटने में।
लेकिन जाएगा साथ कुछ भी नहीं ।।

न जाने कितनी उम्मीदें पालें हुए हैं सब ।
जबकि भरोसा अगले पल का भी नहीं ।।

जिस कल की सोच में आज डूबे हैं सब ।
उस कल मेंशायद हम हैंभी नहीं ।।

किस "मैं" के अहं में है इंसान ।
औक़ात जिसकी एक रत्ती बराबर भी नहीं ।।

गैस सिलेंडर अब नौकर नहीं, घर का दामाद

व्यंग्य

कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

पुराने जमाने में सिलेंडर रसोई के एक अंधेरे कोने में चुपचाप पड़ा रहता था। उसकी हैसियत घर के उस पुराने नौकर जैसी थी, जो बिना शिकायत किए सालों-साल सेवा करता रहता है। उस वक्त गृहिणियां उस पर पैर रखकर ऊंचे डिब्बे उतारती थीं या कभी-कभी उस पर बेलन पटककर अपनी नाराजगी जाहिर कर दिया करती थीं। लेकिन वक्त बदला और वक्त के साथ सिलेंडर की 'किस्मत' ऐसी चमकी कि आज वह रसोई का 'अन्नदाता' कम और ड्राइंग रूम का 'दामाद' ज्यादा नजर आने लगा है। उसकी कीमत और इज्जत अब उस मुकाम पर पहुंच गई है जहां उसे 'रिफिल' कराते समय घर के बुजुर्ग वैसे ही भावुक हो जाते हैं, जैसे बिटिया की विदाई पर होते हैं।

विदाई की रस्म और स्वागत का उल्लास

जब सिलेंडर खाली होता है, तो घर के माहौल में एक अजीब सी 'अघोषित शोक सभा' छा जाती है। गृहिणी हिला-हिलाकर उसकी अंतिम सांसें चेक करती है और जब वह जवाब दे जाता है, तो घर का मुखिया उसे दरवाजे तक ऐसे छोड़ने जाता है, जैसे किसी प्रियजन को रेलवे स्टेशन पर विदा करने जा रहा हो। वहीं दूसरी ओर, जब नया 'भरा हुआ' सिलेंडर घर की दहलीज पर कदम रखता है, तो घर के बच्चों से लेकर बड़ों तक के चेहरे खिल जाते हैं। डिलीवरी वाले भैया का स्वागत किसी 'राजदूत' की तरह किया जाता है। उन्हें चाय-पानी के लिए ऐसे पूछा जाता है, मानो वह सिलेंडर नहीं बल्कि घर के लिए कोई बहुत बड़ा 'शुभ समाचार' लेकर आए हों। मोहल्ले वाले भी तिरछी नजरों से देखते हैं कि— 'वाह! इनके घर तो नया सिलेंडर आया है, जरूर कोई बड़ा हाथ मारा होगा।'

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 'तिजोरी' का मोह

आज के दौर में लोग सिलेंडर को किचन में नहीं, बल्कि उसे अपनी 'तिजोरी' या बेडरूम के पास रखते हैं। डर यह नहीं कि कोई उसे उठा ले जाएगा, डर यह है कि कहीं उसकी कीमती गैस 'लीक' होकर पड़ोसी की नाक तक न पहुंच जाए। पड़ोसी भी अब कम चालाक नहीं हैं। पहले वे खुशबू सूंघकर बताते थे कि— 'आज तो आपके घर शाही पनीर बना है।' लेकिन अब अगर गैस की हल्की सी गंध भी पड़ोस में चली जाए, तो घर का मालिक फौरन खिड़कियां बंद कर लेता है, कहीं पड़ोसी उस गंध के जरिए 'फ्री में' गैस का आनंद न ले ले। लोग अब सब्जी में तड़का लगाने से पहले घर के दरवाजे ऐसे बंद करते हैं, मानो कोई 'गोपनीय परमाणु परीक्षण' करने जा रहे हों। वह दिन अब दूर नहीं लगता जब शादियों में दहेज के रूप में 'फॉर्च्यूनर' या 'प्लॉट' की जगह '5 भरे हुए सिलेंडर' मांगे जाएंगे। मध्यम वर्ग के घरों में अब सिलेंडर ड्राइंग रूम के सोफे के बगल में सजाकर रखा जाने लगा है। मेहमान जब घर आते हैं, तो मेजबान गर्व से सिलेंडर की ओर इशारा करते हुए कहता है— 'देख रहे हैं? एकदम 'ब्रांड न्यू' और फुल रिफिल है! कल ही ब्लैक में... मेरा मतलब है, बड़ी सिफारिश के बाद मिला है।'

लोग अब सोने के गहनों की फोटो इंस्टाग्राम पर नहीं डालते, बल्कि भरे हुए सिलेंडर के साथ सेल्फी लेकर 'फीलिंग रिच' का स्टेटस लगाते हैं।

बजट में 'आग' लगाता मेहमान

निष्कर्ष यह है कि सिलेंडर अब सिर्फ रसोई की आग नहीं जलाता, बल्कि वह मध्यम वर्ग के मासिक बजट में भी 'आग' लगाता है। यह दुनिया का वह इकलौता मेहमान है जिसके घर आने पर 'खुशी' (खाना बनने की) और जेब खाली होने पर 'गम', दोनों एक साथ मिलते हैं। सिलेंडर की बढ़ती कीमत ने इसे एक ऐसी 'चल-अचल संपत्ति' बना दिया है, जिसे रिफिल कराना अब किसी निवेश से कम नहीं लगता।

आज का आम आदमी बस इसी दुआ में लगा रहता है कि- 'हे प्रभु! चाहे मेरी सेहत का मीटर धीमा चले, पर इस सिलेंडर की सुई जरा धीरे-धीरे नीचे गिरे।'

कुछ हटकर

बैचलर ऑफ डिजाइन इन इंटीरियर में बनाएं करियर

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ डिजाइन इन इंटीरियर डिजाइन (बी.डिजाइन इंटीरियर डिजाइन) चार वर्षीय रचनात्मक एवं व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को आंतरिक स्थानों (**Interior Spaces**) की सौंदर्यात्मक, कार्यात्मक और तकनीकी डिजाइनिंग की गहन समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः स्पेस प्लानिंग, फर्नीचर डिजाइन, इंटीरियर मटेरियल्स, लाइटिंग डिजाइन, कलर थ्योरी, बिल्डिंग सर्विसेज, 3**D** विजुअलाइजेशन, ऑटो**CAD**, सस्टेनेबल डिजाइन, वास्तु तत्व, इंटीरियर स्टाइलिंग और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है।

उद्योगों में महत्व

इन विषयों का वास्तविक जीवन और उद्योगों में अत्यधिक महत्व है। आधुनिक घरों, कार्यालयों, होटल्स, मॉल्स, हॉस्पिटल्स में सौंदर्य, सुविधा और उपयोगिता का संतुलन इंटीरियर डिजाइनिंग के माध्यम से ही संभव होता है।

विशेषज्ञताएं

- रेजिडेंशियल इंटीरियर डिजाइन
- कमर्शियल एवं ऑफिस स्पेस डिजाइन
- फर्नीचर एवं प्रोडक्ट डिजाइन
- लाइटिंग डिजाइन
- एक्सहिबिशन एवं सेट डिजाइन
- हॉस्पिटैलिटी एवं होटल
- इंटीरियर डिजाइन
- सस्टेनेबल एवं ग्रीन इंटीरियर डिजाइन
- 3**D** विजुअलाइजेशन एवं रेंडरिंग
- रिटेल एवं शोरूम डिजाइन
- लैंडस्केप एवं स्पेस स्टाइलिंग
- लक्जरी इंटीरियर डिजाइन

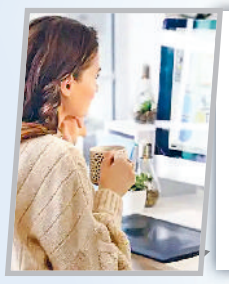

आवश्यक कौशल

सिर्फ डिग्री ही नहीं, बल्कि रचनात्मक दृष्टिकोण, तकनीकी डिजाइनिंग कौशल और व्यावहारिक अनुभव ही इंटीरियर डिजाइन उद्योग में सफलता का आधार बनते हैं। आज का इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजाइन उद्योग सौंदर्य, कार्यक्षमता और आधुनिक तकनीक के संतुलन पर आधारित है।

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- सार्वजनिक निर्माण एवं इंफ्रास्ट्रक्चर विभाग
- स्मार्ट सिटी एवं सरकारी भवन परियोजनाएँ
- सार्वजनिक भवन डिजाइन एवं स्पेस प्लानिंग सहयोगी

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):

- फ्रेशर: लगभग ₹3.5–₹7.0 लाख वार्षिक (विभाग एवं पदानुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग ₹8–₹18 लाख वार्षिक; विभिन्न सरकारी परियोजनाओं एवं परामर्श भूमिकाओं में अतिरिक्त अवसर उपलब्ध

निजी क्षेत्र में विकल्प

इंटीरियर डिजाइन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर उद्योग आज तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में से एक है। रियल एस्टेट कंपनियाँ, आर्किटेक्चर फर्म्स, डिजाइन स्टूडियो, होटल उद्योग और लक्जरी ब्रांड्स ऐसे प्रोफेशनल्स की तलाश में रहते हैं जो रचनात्मकता और तकनीकी दक्षता के साथ आधुनिक स्पेस विकसित कर सकें।

उच्च अध्ययन के विकल्प

- मास्टर ऑफ डिजाइन – इंटीरियर एवं स्पेस डिजाइन
- एम.बी.ए. इन डिजाइन मैनेजमेंट
- फर्नीचर एवं प्रोडक्ट डिजाइन में विशेषज्ञता
- सस्टेनेबल एवं ग्रीन बिल्डिंग डिजाइन कार्यक्रम

अधिक जानकारी के लिए **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

मोटिवेशनल

सफल दिखने की दौड़ में खुश रहना भूल गए लोग

डॉ. रोहित बंसल

मोटिवेशनल स्पीकर

आजकल हर इंसान चाहता है कि बाकी सभी उसे सफल, धनवान और परफेक्ट समझें। अपनी असल जिंदगी पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, वे अपनी 'ऑनलाइन इमेज' पर ज्यादा ध्यान देते हैं। कुछ लोग अपनी विदेश यात्रा या महंगी कार के बारे में बताते हैं तो दूसरे अपनी आलीशान जीवनशैली को दिखाते हैं। समाज का मानना हो गया है कि जितना अधिक आप दिखावा करेंगे, उतना अधिक आप सफल होंगे। हालांकि,सच्चाई इसके विपरीत है। बाहर से मुस्कुराते हुए चेहरे अंदर तनाव, मानसिक थकान और अकेलापन महसूस करते हैं। सफलता का पैमाना भी बदल गया है ,क्योंकि अधिक लोग इसे आर्थिक मापदंडों से देखने लगे हैं। लोग अपनी आवश्यकताओं को नजरअंदाज करते हैं और दूसरों को खुश करने के लिए जीते हैं। यही कारण है कि अधिक लोग अपने आप की तुलना दूसरों से करते हैं। लोग भूल जाते हैं कि सोशल मीडिया पूरी सच्चाई नहीं है। लोग खुशियों वाली बातें पोस्ट करते हैं। कोई भी उदास बातें नहीं पोस्ट करता। लदर्शक उस बनावटी 'खुशी' को महत्व देते हैं और दबाव महसूस करते हैं। इस मानसिक दबाव का सबसे ज्यादा बुरा असर युवाओं और बच्चों पर पड़ रहा है। वे सबसे बेहतर बनने की इच्छा रखते हैं। वे सोचते हैं कि यदि वे नया फोन खरीदते हैं या नाम ब्रांड कपड़े खरीदते हैं, तो उन्हें सफल माना जाएगा। जब लोग अपनी वास्तविक स्थिति को नियंत्रित नहीं कर पाते तो वो असुरक्षित हो जाते है। वे बनावटी खुशी दिखाते रहते हैं और खुद के साथ खुश रहने का तरीका भी भूल जाते हैं। वास्तव में खुशी और सफलता के बीच रिश्ता उतना सीधा नहीं, जितना समाज मान बैठा है। कई बार जिसे सफल माना जाता है, वह उदास हो सकता है और जो सरल जीवन जी रहा है, वह खुश हो सकता है। खुशियां वास्तव में समाज के विश्वास के विपरीत हैं। खुशियों का संबंध बाहरी दिखावे से नहीं हैं बल्कि मानसिक शांति और आत्म संतुष्टि से है। जो लोग दूसरों की राय की अत्यधिक चिंता करते हैं, वे हमेशा अपने मन की बात को सुनने में असमर्थ रहते हैं। सबसे अच्छी सफलता वह अवस्था है जिसमें खुशी और सफलता साथ रह सकते हैं।

लघु कथा

सन्तोष सबसे बड़ा धन!

सुनील मिनोचा

कहानीकार

कन्हैयालाल व उनकी पत्नी सरकारी नौकरी से सेवानिवृत्त होकर शहर में ही अपने मकान में रहने लगे। एक बच्चा बाहर सेटल हो चुका था। लड़कियां विवाह पश्चात सैटल थीं। यूं सुबह- शाम पत्नी के साथ पार्क में सैर कर, मन को शांत रखते थे। अपनी ढलती आयु में इक्का- दुक्का काम समीप की मार्केट में स्वयं पैदल ही कर लेते थे। एक बार ऐसे ही कन्हैयालाल पैदल मार्केट से आ रहे थे। पीछे से एक स्कूटर चला रही स्त्री , जिसके एक बच्चे ने पीछे अपना छोटा दो- पहिया साइकिल हाथ में पकड़ रखा था, वह सड़क किनारे चलते हुए उनसे टकरा गया। कन्हैयालाल नीचे गिर गये। फिर स्त्री थोड़ा-सा रुकी, बचाव समझ के जल्दी चलती बनी। उन्होंने फोन कर पड़ोस वालों को और पत्नी को बुलाया। उठने में दर्द कुछ देर बाद महसूस होने से किसी ने समीप एक्सरे करवाने की सलाह दी। इसमें पता चला कि कूल्हे की हड्डी में फ्रेक्चर हो गया है। बेटे को बताया तो विदेश बैठे बच्चे ने किसी बड़े मशहूर डॉक्टर के अस्पताल से ईलाज की सलाह दी। ऐसा ही हुआ। सात लाख के करीब बिल बना। कुछ सरकारी तो कुछ अपना लगा। जब उनसे पूछा गया कि जिसने टक्कर मारी, उससे कुछ नहीं कहोगे? उनका जवाब था-मैंने पता लगाने की जरूरत नहीं समझी। मेरे कर्म में यही लिखा था। कोई बुरा कर्म कट गया।

कहते हैं -जान बच्ची तो लाखों पाए। लोकल बरह रही बेटियों ने खूब सेवा की। बेटे को भी बाहर से पूछने आना पड़ा। चाहे कुछ भी हो, सन्तोष सबसे बड़ा धन है। ऐसे ही एक अन्य घटना याद आती है। जब एक अन्य सेक्टर में एक सेवानिवृत्त इंजीनियर सुबह अपनी लड़की के साथ सैर कर रहा था। एक काम करने वाली लड़की ने ध्यान कहीं ओर होने से, पीछे से साइकिल से टक्कर मार दी। उसका पता नोट किया। फिर अस्पताल में लाखों का बिल बना, जो सरकार से मिल जाना था। उस गरीब काम वाली लड़की की कुछ दिन बाद शादी भी थीं। तब उससे कम से कम एक लाख वसूल कर चैन पड़ा। सबके मन में पैसे के प्रति भावना एक जैसी नहीं होती ।

खबर संक्षेप

युवाओं ने छबील लगाकर राहगीरों की बुझाई प्यास

कोसली। क्षेत्र के गांव सादतनगर के बस स्टैंड पर रविवार को युवाओं ने गर्मी के मौसम में छबील लगाकर राहगीरों को ठंडा शरबत पिलाया। इस मौके पर ब्लॉक समिति सदस्य लुकस ने कहा कि युवाओं ने सेवा भाव से योगदान देकर पुण्य का कार्य किया है। उन्होंने इस कार्य के लिए युवाओं की सराहना की। इस कार्य में मनोज कुमार, प्रशांत, युवराज, राजीव, केवल कृष्ण, डा. अनिल, भीम सिंह, कर्मवीर, हंसराज व नरेश कुमार ने सहयोग दिया।

सीएम व विधायक का जताया आभार

रेवाड़ी। सेक्टर-10 में बनने वाले सैनिक सदन की जमीन की राशि मंजूर किए जाने पर पूर्व सैनिकों, सैनिकों व उनके परिवारजनों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व विधायक लक्ष्मण सिंह यादव का आभार जताया है। पूर्व सैनिकों ने कहा कि मुख्यमंत्री व विधायक ने क्षेत्र के सैनिकों की चिर-परिचित मांग को पूरा करने का कार्य किया है। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने सैनिकों की मांग को विधानसभा में उठाया तथा जमीन खरीदने के लिए करीब दो करोड़ 75 लाख से अधिक की राशि स्वीकृत की। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार बिना किसी भेदभाव के चहुंमुखी विकास करा रही है।

केंद्रीय मंत्री ने गांव खंडोड़ा में शहीद अरुण कुमार यादव की प्रतिमा का किया अनावरण

देश के लिए बलिदान देने वाले वीर जवानों का सम्मान करना हर नागरिक का कर्तव्य : राव इन्द्रजीत

हरिभूमि न्यूज ⏭| रेवाड़ी

केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने रविवार को गांव खंडोड़ा में शहीद अरुण कुमार यादव की प्रतिमा का अनावरण किया। इससे पूर्व युवाओं की ओर से आयोजन स्थल तक बाइक तिरंगा रैली निकाली गई।

कार्यक्रम में बावल के विधायक डा. कृष्ण कुमार, कोसली के विधायक अनिल यादव व भाजपा जिला अध्यक्ष वंदना पोपली मौजूद रही। केंद्रीय मंत्री ने गांवों के विकास के लिए 21 लाख रुपए देने की घोषणा भी की। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

रेवाड़ी। शहीद अरुण कुमार की प्रतिमा का अनावरण करते हुए और कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित करते राव इन्द्रजीत सिंह। फोटो : हरिभूमि

उन्होंने कहा कि शहीद अरुण कुमार यादव ने राष्ट्र की सेवा में अपना सर्वस्व समर्पित कर युवाओं के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनको अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए सेना की ओर से 8 मेडल भी प्रदान किए गए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल के तहत लेबनान देश में एक साल साहस और वीरता के साथ अपनी सेवाएं भी दी। सिक्किम में ड्यूटी के दौरान आई प्राकृतिक आपदा में आमजन और अपने साथियों को बचाने के प्रयास में वे अपने शौर्य और वीरता का परिचय देते हुए 4 अक्टूबर 2023 को देश सेवा करते हुए शहीद हो गए।

देशवासी उनके बलिदान को सदैव स्मरण रखेंगे और आने वाली पीढ़ियां उनसे राष्ट्रभक्ति एवं कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा प्राप्त करती रहेंगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमेशा से ही दक्षिणी हरियाणा के युवा सेना में भर्ती होकर देश की हिफाजत के लिए आगे रहे हैं। उन्होंने उन माताओं-बहनों की भी सराहना की, जिन्होंने अपने बच्चों और भाइयों को सेना में भर्ती कर देश की सुरक्षा के लिए सीमा पर तैनात किया है। इस मौके पर ग्रामीणों ने केंद्रीय मंत्री को राजकीय विद्यालय का नामकरण शहीद अरुण कुमार यादव के नाम पर करने, गांव के जोहड़ों को नहरी पानी से जोड़ने तथा अन्य विकासात्मक मांगों लेकर ज्ञापन भी सौंपा। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया।

ये बोले विधायक कृष्णकुमार

विधायक डा. कृष्ण कुमार ने कहा कि राष्ट्र के लिए बलिदान देने वाले वीर सपूत सदैव समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहते हैं। उन्होंने युवाओं से शहीद के आदर्शों एवं उनके दिखाए गए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कोसली के विधायक अनिल यादव ने कहा कि ऐसे वीरों के कारण ही देश की सीमाएं सुरक्षित हैं और नागरिक निर्भय होकर अपना जीवन व्यतीत कर पाते हैं। इस अवसर पर जिला परिषद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि अनिल कुमार रायपुर, चेयरमैन छत्तरपाल, मंडल अध्यक्ष रमेश झाबुआ, सरपंच पूनम, एसडीएम संजीव कुमार व बीडीपीओ शुभम सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, गणमान्य नागरिक, पूर्व सैनिक व ग्रामीण उपस्थित थे।

गाड़ी संख्या 59709 1 जून से जयपुर से रवाना होकर भिवानी पहुंचेगी

स्पेशल रेलसेवाओं का नियमित ट्रेनों के रूप में संचालन आज से

हरिभूमि न्यूज ⏭| रेवाड़ी

रेलवे की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए स्पेशल रेलसेवाओं का नियमित रेलसेवाओं के रूप में संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि नियमित रेलसेवाओं का संचालन एक जून से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गाड़ी संख्या 59709 जयपुर-भिवानी फास्ट पैसेन्जर प्रतिदिन रेलसेवा 1 जून से जयपुर से प्रतिदिन सुबह 7 बजे रवाना होकर दोपहर 2:20 बजे भिवानी पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 59710 भिवानी-जयपुर फास्ट पैसेंजर प्रतिदिन रेलसेवा 1 जून से भिवानी से प्रतिदिन शाम 4:25 बजे रवाना होकर रात्रि 11:25 बजे जयपुर पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में ढेहर का बालाजी, नीन्दड बनाड, चौमू सामोद, गोविन्दगढ मलिकपुर, रींगस, श्रीमाधोपुर, कावंट, नीमकाथाना, मांवडा, डाबला, निजामपुर, नारनौल, अटेली, कुंड, रेवाड़ी, कोसली, झाडली व चरखी दादरी स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 9 साधारण श्रेणी व 2 गार्ड डिब्बों सहित 11 डिब्बे होंगे।

रेवाड़ी। उत्तर-पश्चिम रेलमार्ग से गुजरती एक्सप्रेस ट्रेन। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी-रींगस स्पेशल ट्रेन का नियमित होगा संचालन

गाड़ी संख्या 59633 रेवाड़ी-रींगस द्वि-साप्ताहिक रेलसेवा 6 जून से रेवाड़ी से प्रत्येक शनिवार व रविवार को सुबह 11 बजे रवाना होकर दोपहर 2:20 बजे रींगस पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 59634 रींगस-रेवाड़ी द्वि साप्ताहिक रेलसेवा 6 जून से रींगस से प्रत्येक शनिवार व रविवार को दोपहर 2:55 बजे रवाना होकर शाम 6:20 बजे रेवाड़ी पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में कुंड, काठूवास, अटेली, नारनौल, अमरपुरा जोरासी, निजामपुर, डाबला, मांवडा, नीमकाथाना, कावंट व श्रीमाधोपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 8 साधारण श्रेणी व 2 गार्ड डिब्बे होंगे तथा 30 जून तक अतिरिक्त 5 साधारण श्रेणी डिब्बे अस्थाई तौर पर शामिल रहेंगे।

जयपुर-रेवाड़ी स्पेशल ट्रेन का नियमित संचालन

गाड़ी संख्या 59630 फुलेरा-रेवाड़ी प्रतिदिन रेलसेवा 1 जून से फुलेरा से प्रतिदिन सुबह 7:25 बजे रवाना होकर दोपहर 2 बजे रेवाडी पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 59629 रेवाड़ी-फुलेरा प्रतिदिन रेलसेवा 1 जून से रेवाड़ी से प्रतिदिन शाम 3 बजे रवाना होकर रात्रि 9:20 बजे फुलेरा पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में जयपुर, गांधीनगर जयपुर, गैटोर जगतपुरा, खातीपुरा, बस्सी, दौसा, कोलवाग्राम, अरनिया, बांदीकुई, बसवा, राजगढ, मालाखेड़ा, अलवर, खैरथल, हरसौली, अजरका व बावल स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 8 साधारण श्रेणी व 2 गार्ड डिब्बे होंगे तथा 30 जून तक अतिरिक्त 5 साधारण श्रेणी डिब्बे अस्थाई तौर लगाए जाएंगे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मेधावी छात्रा को पुरस्कृत करते संस्था के पदाधिकारी।

स्वतंत्रता सेनानी की पुण्यतिथि पर मेधावी छात्राओं का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭| कोसली

क्षेत्र के गांव लुखी में स्वतंत्रता सेनानी पंडित सोहनलाल आर्य की 44वीं पुण्यतिथि के अवसर पर पंडित सोहन लाल आर्य समाज कल्याण संस्था की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी सक्रिय भागीदारी, 1939 के हैदराबाद आंदोलन में प्रमुख जत्थेदार के रूप में उनकी भूमिका, आर्य समाज से उनके अंतरंग लगाव, शुद्धि आंदोलन में उनके योगदान की चर्चा की। वक्ताओं ने बताया कि स्वतंत्रता सेनानी 1957 के हिंदी रक्षा आंदोलन में जेल में भी रहे। लड़कियों की शिक्षा के वे प्रबल समर्थक थे। उन्होंने तत्कालीन नाभा रियासत के गांव लूखी में बालिकाओं को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने का कार्य आरेभ किया, जिसके कारण उन्हें रियासती प्रशासन का कोप भाजन बनना पड़ा। इस अवसर पर संस्था की ओर से मेधावी छात्रा शिवानी व वंशिका को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर वेदप्रचार मंडल के यज्ञपाल आर्य, अमर सिंह, प्राचार्य अनिल कुमार, अभयसिंह, शिव कुमार आर्य, वेदवती, कंवर सिंह, सुशीला यादव, संतरा देवी व सतप्रकाश आर्य मौजूद थे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

चौरासी लाख योनियों में भगवान ने मनुष्य को ही हंसने का वरदान दिया: नितिन गोयल

हरिभूमि न्यूज ⏭| रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में जीवन में नवीन प्रेरणा लाने वाले कार्यक्रम 'जाने सच्ची खुशियों का पासवर्ड' का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सीए एसोसिएशन के चेयरमैन नितिन गोयल, भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष निखिल मांढैया, पार्षद श्रीभगवान व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि 84 लाख योनियों में भगवान ने मनुष्य को ही हंसने का वरदान दिया है। हंसने व खुश रहने का सीधा संबंध मन की संतुष्टि में है। अपने मन में दूसरों के सहयोग की भावना रखें। क्षाविद् डा. बलबीर अग्रवाल, आचार्य राजेन्द्र सिंह यादव, प्रो. सीएल सोनी व राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ के जिला प्रधान दीपेश भार्गव ने कहा कि खुल कर हंसने से चेहरे और मस्तिष्क में रक्त प्रवाह तेज होता है। चेहरे पर निखार व लालिमा आती है। महिला प्रधान निशा सीकरी, भाजपा नेत्री दीपा भारद्वाज व शिक्षाविद प्रीती कपूर ने कहा कि सभी अपने बच्चों को प्रसन्न रहने के लिए प्रोत्साहित करें।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में सुदर्शन मेहंदीरत्ता, किशोरी लाल नंदवानी, सुनीता आर्या, कपिल कपूर, ओजस्वी, पूर्वांशी, सोनिया कपूर व सेवानिवृत्त पुलिस उपनिरीक्षक राजाराम सहित अनेक लोग मौजूद थे।

नशा जीवन और समाज के लिए जहर: रामपाल

- पुलिस टीम ने दुल्हेड़ा कलां व झाबुआ में ग्रामीणों को नशे के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭| रेवाड़ी

पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने रविवार को गांव दुल्हेडा कलां व झाबुआ में ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों, साइबर अपराधों व यातायात के नियमों को लेकर जागरूक किया। इस अवसर पर निरीक्षक रामपाल ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है।

रेवाड़ी। ग्रामीणों को जानकारी देते हुए पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। नशा शरीर ही नहीं, बल्कि जीवन और समाज के लिए भी जहर है। पुलिस टीम ने ग्रामीणों को साइबर अपराध के खतरों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से व्यक्तिगत जानकारी जैसे ओटीपी, पासवर्ड आदि हासिल करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सभी को सतर्क रहना चाहिए और किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। किसी भी साइबर ठगी होने पर साइबर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। उन्होंने कहा कि सड़क पर वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करना जरूरी है। नशा मुक्ति टीम ने अपील करते हुए कहा कि यदि कोई भी असामाजिक तत्व, संदिग्ध व्यक्ति या वाहन दिखाई दे या आपातकालीन स्थिति में तुरंत डायल 112 पर इसकी सूचना दें।

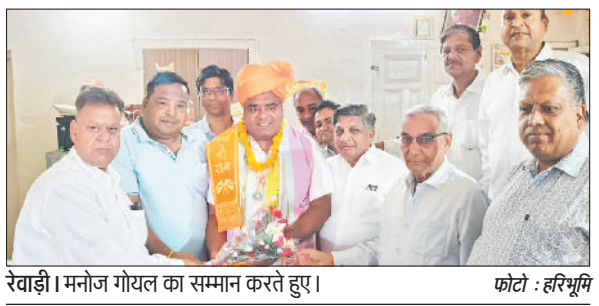

रेवाड़ी। मनोज गोयल का सम्मान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

मनोज बने अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭| रेवाड़ी

गांव गुड़ियानी निवासी समाजसेवी मनोज गोयल को अग्रवाल समाज की राष्ट्रीय संस्था अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन का राष्ट्रीय संगठन मंत्री मनोनीत किया गया है। उनकी नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल एवं राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल गोयल ने की है। रविवार को अनाज मंडी में उद्योगपति अजय मित्तल के सानिध्य तथा मंडी प्रधान राधेश्याम मित्तल, पूर्व पार्षद राजेंद्र सिंघल एवं सीए चेयरमैन नितिन गोयल के संयोजन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। प्रधान रिपुदमन गुप्ता ने कहा कि मनोज का राष्ट्रीय स्तर पर अग्रवाल समाज का प्रतिनिधित्व करना जिले के लिए गौरव की बात है।

इन्होंने किया सम्मानित

समारोह में अग्रवाल सभा के प्रधान रिपुदमन गुप्ता, उपप्रधान एडवोकेट राकेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष प्रेम भालखीवाले, अग्रसेन स्कूल प्रधान रत्नेश बंसल, आरडीएस कॉलेज प्रधान मुकेश भट्टेवाले, रमेश मित्तल, डॉ. पवन गोयल, राकेश गर्ग, दीपक मंगला, नरेश मित्तल, डा. राहुल सिंगला, अंजुल गुप्ता, केसरीनंदन अग्रवाल, नवीन सिंघल, बी.डी. अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, मुकेश जिंदल, दिनेश खंडेलवाल, प्रशांत सिंघल, एडवोकेट प्रशांत गोयल, नितेश अग्रवाल, गोपाल गोयल व सोनू सहित समाज के अनेक लोगों ने मनोज गोयल का सम्मान किया।

राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ने वाली खरखड़ा की सड़क जर्जर, मरम्मत की उठाई मांग

धारूहेड़ा। दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-48 से जुड़ने वाली हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की 60 मीटर चौड़ी परिधि सड़क की हालत बेहद खराब हो चुकी है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं तथा डामर उखड़ने से रोडियां बिखर गई हैं, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश यादव खरखड़ा ने विभागीय अधिकारियों को पत्र भेजकर सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। प्रकाश ने बताया कि यह महत्वपूर्ण सड़क गांव खरखड़ा से होकर गुजरती है और दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग को धारूहेड़ा के सेक्टर-1 एवं सेक्टर-2, आईजी साउथ रेंज पुलिस कार्यालय खरखड़ा, 9.5 एमएलडी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, पार्श्वनाथ सिटी, एमटूके सोसायटी व कई निजी स्कूलों तथा अन्य आवासीय क्षेत्रों से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि सड़क की ऊपरी परत उखड़ने के कारण बिखरी रोडियां वाहनों के गुजरने पर उछलकर राहगीरों को चोट पहुंचा रही हैं।

रेवाड़ी। जर्जर हालत में खरखड़ा से गुजर रही सड़क। फोटो : हरिभूमि

चौरासी लाख योनियों में भगवान ने मनुष्य को ही हंसने का वरदान दिया: नितिन गोयल

हरिभूमि न्यूज ⏭| रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में जीवन में नवीन प्रेरणा लाने वाले कार्यक्रम 'जाने सच्ची खुशियों का पासवर्ड' का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सीए एसोसिएशन के चेयरमैन नितिन गोयल, भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष निखिल मांढैया, पार्षद श्रीभगवान व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि 84 लाख योनियों में भगवान ने मनुष्य को ही हंसने का वरदान दिया है। हंसने व खुश रहने का सीधा संबंध मन की संतुष्टि में है। अपने मन में दूसरों के सहयोग की भावना रखें। क्षाविद् डा. बलबीर अग्रवाल, आचार्य राजेन्द्र सिंह यादव, प्रो. सीएल सोनी व राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ के जिला प्रधान दीपेश भार्गव ने कहा कि खुल कर हंसने से चेहरे और मस्तिष्क में रक्त प्रवाह तेज होता है। चेहरे पर निखार व लालिमा आती है। महिला प्रधान निशा सीकरी, भाजपा नेत्री दीपा भारद्वाज व शिक्षाविद प्रीती कपूर ने कहा कि सभी अपने बच्चों को प्रसन्न रहने के लिए प्रोत्साहित करें।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में सुदर्शन मेहंदीरत्ता, किशोरी लाल नंदवानी, सुनीता आर्या, कपिल कपूर, ओजस्वी, पूर्वांशी, सोनिया कपूर व सेवानिवृत्त पुलिस उपनिरीक्षक राजाराम सहित अनेक लोग मौजूद थे।

1 जून से 28 सितंबर तक जारी रहेगी योजना

व्यापारियों के हितों में सरकार ने फिर शुरू की एकमुश्त निपटान स्कीम: प्रीति

हरिभूमि न्यूज ⏭| रेवाड़ी

हरियाणा सरकार की ओर से वर्ष 2025 में छोटे व्यापारियों को लाभ देने के लिए शुरू की गई एकमुश्त निपटान स्कीम का 115223 व्यापारियों ने पुरजोर लाभ उठाया है। स्कीम की कामयाबी को देखते हुए सरकार ने एक बार फिर निपटान स्कीम लाने का विचार किया है, जिससे पुराने बकाया मामलों को निपटाया तथा अदालतों में लंबित मुकदमों का समाधान किया जा सकें। सरकार का मानना है कि जीएसटी में कम से कम बकाया राशियों के साथ आगे बढ़ा जाए ताकि जीएसटी संग्रह को बढ़ाने में अधिक से अधिक समय और ध्यान दिया जा सकें। उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त प्रीति चौधरी ने बताया कि सरकार 1 जून से 120 दिनों के लिए 28 सितंबर 2026 तक एक मुश्त निपटान स्कीम शुरू करने जा रही है, जिसके तहत सात कराधान अधिनियमों के तहत निर्धारित बकाया देय राशि के निपटान का प्रावधान है। यदि किसी करदाता पर किसी संबंधित अधिनियम के अंतर्गत एक वर्ष में 1 लाख रुपये तक का कर बकाया है तो उसे इस स्कीम में आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। उसका उस वर्ष के लिए उस अधिनियम में संपूर्ण कर, ब्याज एवं जुर्माना राशि माफ हो जाएगी। आवेदक अपने बकाया देय राशि के निपटान के लिए किसी भी अधिनियम में किसी भी वर्ष के लिए आवेदन कर सकता है। पूर्ववर्ती हरियाणा सामान्य बिक्री कर अधिनियम, 1973 के तहत बकाया राशि के निपटान के लिए विशेष छूट उपलब्ध है। हरियाणा सामान्य बिक्री कर अधिनियम, 1973 को 1 अप्रैल 2003 से हरियाणा मूल्य वर्धित कर अधिनियम 2003 के लागू होने के साथ निरस्त कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि हरियाणा सामान्य बिक्री कर के तहत बकाया देय बहुत पुराने हैं, इसलिए 1 लाख से अधिक कर बकाया वाले सभी मामलों में 70 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

प्रीति चौधरी।

- वर्ष 2025 में चली एकमुश्त निपटान स्कीम में 115223 व्यापारियों ने उठाया लाभ

शिविर आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल में हुआ तीन दिवसीय हैप्पीनेस कार्यक्रम

सुदर्शन क्रिया से मन शांत, बुद्धि तीक्ष्ण और सही निर्णय लेने की क्षमता का होता विकास: भारद्वाज

- व्यक्तिगत विकास के लिए विद्यार्थियों का मानसिक व शारीरिक स्वस्थ होना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭| रेवाड़ी

आर्ट आफ लिविंग संस्था की ओर से गढ़ी बोलनी रोड स्थित आरपीएस इंटरनेशनल विद्यालय में तीन दिवसीय हैप्पीनैस कार्यक्रम किया गया, जिसमें शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। संस्था के वरिष्ठ प्रशिक्षक ब्रह्मप्रकाश भारद्वाज ने सभी को जीवन के विभिन्न आयामों में सकारात्मक विकास के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आकाश भारद्वाज की ओर से योग व प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। इस मौके पर प्रशिक्षक भारद्वाज ने कहा कि तीन दिनों में कुल छह घंटे का यह प्रशिक्षण प्रतिभागियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम में शिक्षकों को सुदर्शन क्रिया का अभ्यास भी कराया गया। भारद्वाज ने कहा कि नित्य सुदर्शन क्रिया के अभ्यास से मन शांत, बुद्धि तीक्ष्ण व सही निर्णय लेने की क्षमता का विकास होता है।

प्राचार्य श्रीमति प्रीति लाबा ने कहा कि एक शिक्षक तभी विद्यार्थियों को प्रभावी मार्गदर्शन कर सकता है, जब वह स्वयं मानसिक व शारीरिक रूप से सतुंलित, प्रसन्न और सकारात्मक हो और इस तरह के कार्यक्रम व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ विद्यालय के शैक्षिणिक वातावरण को भी समृद्ध बनाता है। विद्यालय प्रबंधन से डा. पवित्रा राव ने संस्था सदस्यों का आभार जताया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस प्रशिक्षण से प्राप्त शिक्षाएं प्रतिभागियों के व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन में सार्थक परिवर्तन लाने में सहायक सिद्ध होंगी।

रेवाड़ी। शिक्षकों को योगाभ्यास कराते हुए प्रशिक्षक तथा कार्यक्रम में योगक्रिया करते हुए शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

अंतरराष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस पर बस स्टैंड पर चली हरिभूमि की मुहिम, हस्ताक्षर अभियान में सैकड़ों लोगों ने निभाई भागीदारी

युवाओं ने लिया संकल्प, तंबाकू उत्पादों से रहेंगे दूर, परिवार व लोगों को भी करेंगे जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अंतरराष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस पर रविवार को सामान्य बस स्टैंड पर राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र 'हरिभूमि' की ओर से हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। अभियान में बड़ी संख्या में शहर के प्रबुद्ध जनों ने शामिल होकर लोगों को तंबाकू का सेवन न करने का संदेश दिया। तंबाकू निषेध दिवस पर खासकर युवा वर्ग को जागरूक करने के लिए बस स्टैंड परिसर में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। युवा वर्ग को धूम्रपान के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने के प्रति जागरूक किया। अभियान में शहर के प्रबुद्ध लोग, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संस्थाओं, रोडवेज कर्मचारियों, पुलिसकर्मियों व युवाओं सहित बच्चों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस मौके पर युवाओं ने संकल्प लेते हुए कहा कि वे अपने मित्रों, परिजनों और रिश्तेदारों को भी तंबाकू उत्पादों से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे। अभियान सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक चलाया गया। अभियान में माता राजकौर कॉलेज सहारनवास, एवरेस्ट स्केयर सेक्टर-26 नियर ईडन गार्डन गढ़ी बोलनी रोड, प्रथम स्कूल धामलाका, बीएमजी ग्रुप रेवाड़ी, शांति यादव डायग्नोस्टिक सेंटर गढ़ी बोलनी रोड, राठ इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ स्कूल कुंड, तिजारा संगम नमकीन तथा सोमाणी कॉलेज ने सहयोग दिया।

रेवाड़ी। बस स्टैंड पर चलाए गए अभियान में हस्ताक्षर करते हुए। फोटो : हरिभूमि

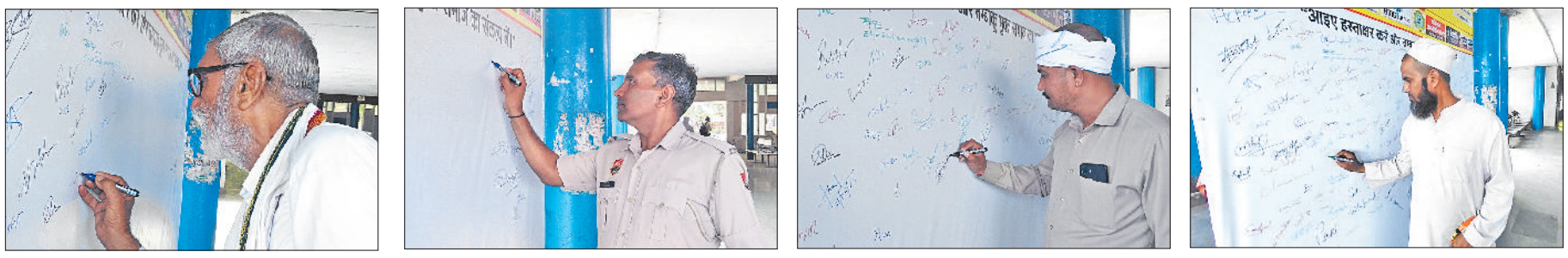

रेवाड़ी। बस स्टैंड पर चलाए गए अभियान में हस्ताक्षर करते हुए। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। बस स्टैंड पर चलाए गए अभियान में हस्ताक्षर करते हुए।

रेवाड़ी। बस स्टैंड पर चलाए गए अभियान में हस्ताक्षर करते हुए। फोटो : हरिभूमि

तंबाकू दिवस पर हरिभूमि की पहल सराहनीयः सचदेवा

संगम नमकीन के संचालक रमेश सचदेवा ने कहा कि विश्व तंबाकू दिवस पर हरिभूमि समाचार पत्र ने हस्ताक्षर अभियान से लोगों को जागरूक करके सराहनीय पहल की है। युवाओं को धूम्रपान से दूर रहना चाहिए, क्योंकि धूम्रपान एक बहुत घातक बीमारी है, जिसे कैंसर जैसी बीमारी मनुष्य का जीवन समाप्त कर देती है, इसलिए हमें नशे से दूर रहकर अन्य लोगों को भी जागरूक करना चाहिए।

युवा पीढ़ी को मिलकर बचाना होगाः रिपुदमन

बीएमजी ग्रुप के डायरेक्टर रिपुदमन गुप्ता ने कहा कि धूम्रपान एक घातक बीमारी है, जिसको सेवन जानलेवा हो सकता है। वर्तमान समय में धूम्रपान व तंबाकू युवाओं को अपनी गिरफ्त में लेता जा रहा है, जिसके लिए सभी को मिलकर जागरूक नागरिक होने के नाते हरिभूमि समाचार पत्र जैसे अभियान चलाकर युवा पीढी को बचाना होगा।

तंबाकू सेवन के भयंकर दुष्परिणामः उत्तम सिंह

प्रथम स्कूल के डायरेक्टर उत्तम सिंह ने कहा कि सभी को धूम्रपान जैसी बीमारी के बारे में गंभीरता से सोचना होगा। सबसे पहले स्वंय संकल्प लेने के साथ सभी को तंबाकू से दूर रखने के लिए जागरूक करना होगा। आज का भविष्य युवाओं के हाथ में है, सभी को मिलकर जड़े मजबूत करनी होगी, क्योंकि देश में तंबाकू सेवन के भयंकर दुष्परिणाम सामने आ रहे है।

सेहत के लिए हानिकारक तंबाकू सेवनः तंवर

राठ स्कूल ग्रुप के अकेडमिक डायरेक्टर डा. रविन्द्र सिंह तंवर ने कहा कि तंबाकू का सेवन हमारी सेहत के लिए हानिकारक है, जोकि जीवन को खत्म कर सकता है। सभी को मिलकर तंबाकू जैसी घातक बीमारी से बचाने के लिए कदम उठाना होगा। तंबाकू निषेध दिवस मनाना युवा पीढ़ी के लिए तंबाकू पदार्थो से दूर रखने का संदेश है।

समाजिक संस्थाए करें लोगों को जागरूकः यादव

एसडी स्कूल करावरा मानकपुर के चेयरमैन श्योताज सिंह यादव ने कहा कि प्रति वर्ष देश में तंबाकू सेवन से लाखों लोग अपनी जिंदगी खत्म कर रहे है। सरकार के साथ समाज को भी जागरूक होकर तंबाकू पर रोक लगानी चाहिए। जिले की सभी सामाजिक संस्थाओं को भी लोगों को इस दिशा में जागरूक करना चाहिए।

तंबाकू सेवन से बर्बाद हो रहे परिवारः बलवान सिंह

राठ इंटरनेशलन ग्रुप ऑफ स्कूल के चेयरमैन बलवान सिंह यादव ने कहा कि तंबाकू के सेवन से कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियां इंसान के जीवन को खत्म कर रही है। इसके सेवन से परिवार भी बर्बाद हो रहे है। इसके लिए जरूरी है कि ऐसे उत्पादों से दूर रहकर एक स्वस्थ्य जिंदगी को जिया जाए। तंबाकू निषेध दिवस पर हरिभूमि समाचार पत्र की ओर से चलाया गया अभियान एक सराहनीय कदम है।

तंबाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए खतरनाकः डा. करतार

शांति यादव डायग्नोस्टिक सेंटर के डायरेक्टर डा. करतार सिंह ने कहा कि न तंबाकू के सेवन से पूरे विश्व में गंभीर बीमारियों के चपेट में आ रहे है। उन्होंने कहा की तंबाकू किसी भी रूप में इस्तेमाल करना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है चाहे वो खैनी के रूप में मुंह में चबाया जाए या हुक्का, बीड़ी व सिगरेट के रूप में प्रयोग किया जाए। तंबाकू के सेवन से फेफड़े खराब होना, हृदयाघात व कैंसर जैसे गंभीर बीमारियां हो सकती है।

विद्यार्थियों ने ली तंबाकू से दूर रहने की शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आह्वान पर राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर प्राचार्य विनोद यादव के मार्गदर्शन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी मनोज वशिष्ठ ने विद्यार्थियों को तंबाकू निषेध दिवस के महत्व व उद्देश्य पर जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों ने तंबाकू का सेवन न करने व समाज को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर प्राचार्य ने कहा कि तंबाकू का सेवन मानव जीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा है। यदि हम अपने युवाओं को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर दें, तो हम एक स्वस्थ और शक्ति सम्पन्न राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। विद्यालय परिवार का दायित्व है कि वह बच्चों को नशे से दूर रखकर उन्हें देश का सशक्त नागरिक बनाए। मनोज वशिष्ठ ने कहा कि आज का युवा कल का भविष्य है। तंबाकू सेवन से न केवल कैंसर व हृदय रोग जैसी घातक बीमारियां होती हैं, बल्कि देश की उत्पादकता भी घटती है। इसलिए जरूरी है कि हम युवाओं को इस कुरीति से बचाकर राष्ट्र को शारीरिक, मानसिक व आर्थिक रूप से मजबूत बनाएं। कार्यक्रम में वरिष्ठ अध्यापक जितेन्द्र दखोरा, राजेश यादव, विकास, भूपेंद्र व अशोक बेरवाल भी उपस्थित थे।

तीन को धूमधाम से मनाया जाएगा संकष्टी चतुर्थी का पर्व

रेवाड़ी। सनातन धर्म में किसी भी शुभ कार्य को करने से पहले भगवान गणेश की पूजा की जाती है। भगवान गणेश को अन्य सभी देवी-देवतों में प्रथम पूजनीय माना गया है। उन्हें बुद्धि, बल और विवेक का देवता का दर्जा प्राप्त है। भगवान गणेश को समर्पित संकष्टी चतुर्थी आगामी 3 जून को मनाई जाएगी। ज्योतिषाचार्य पंडित दलीप शास्त्री का कहना है कि संकष्टी चतुर्थी का मतलब होता है, संकट को हरने वाली चतुर्थी। उन्होंने कहा कि पूर्णिमा के बाद आने वाली चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी कहते हैं, वहीं अमावस्या के बाद आने वाली चतुर्थी को विनायक चतुर्थी कहते हैं। इस दिन व्यक्ति अपने दुःखों से छुटकारा पाने के लिए गणपति की अराधना करता है। पुराणों के अनुसार चतुर्थी के दिन गौरी पुत्र गणेश की पूजा करना बहुत फलदायी होता है। इस दिन लोग सूर्योदय के समय से लेकर चन्द्रमा उदय होने के समय तक उपवास रखते हैं। संकष्टी चतुर्थी को पूरे विधि-विधान से गणपति की पूजा-पाठ की जाती है। संकष्टी चतुर्थी को भगवान गणेश की आराधना करने के लिए विशेष दिन माना गया है। शास्त्रों के अनुसार माघ माह में पड़ने वाली पूर्णिमा के बाद की चतुर्थी बहुत शुभ होती है। यह दिन भारत के उत्तरी और दक्षिणी राज्यों में ज्यादा धूम-धाम से मनाया जाता है। उनका कहना है कि संकष्टी के दिन गणपति की पूजा करने से घर से नकारात्मक प्रभाव दूर होते हैं और शांति बनी रहती है।

मेहनत, अनुशासन व सकारात्मक सोच से ही मिलती है सफलताः विक्रम सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

गांव गोठड़ा टप्पा डहीना में दा राइट डायरेक्शन चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों तथा सेना एवं अन्य सरकारी सेवाओं में चयनित युवाओं को सम्मानित कर उत्साहवर्धन किया गया। समारोह में कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं तथा सेना भर्ती एवं विभिन्न सरकारी सेवाओं में चयनित गांव के युवाओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि एसआई विक्रम सिंह ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। निरंतर मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच से ही व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम में ट्रस्ट के सदस्य देवेंद्र सिंह, अजय, जोगेंद्र, आर्यन, नसीब, अर्जुन, आत्माराम और आशुतोष सहित बुजुर्ग देशराज, पूर्व सरपंच महिपाल, जगदीश, बुधराम शर्मा व आनंद शर्मा मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

प्रदर्शन

आरडब्ल्यूए के बैनर तले सोसायटी निवासियों की नारेबाजी

बिल्डर के खिलाफ आरडब्ल्यूए का प्रदर्शन, समस्याओं के समाधान की मांग, बिल्डर ने आरोपों को नकारा

- बिल्डर ने कहा, मेंटेनेंस टेकओवर नहीं कर रही आरडब्ल्यूए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

रेवाड़ी। बिल्डर के खिलाफ प्रदर्शन करते आरडब्ल्यूए के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

सेक्टर-7 स्थित ओकास सोसायटी में मूलभूत सुविधाओं की कमी और बिल्डर की अनदेखी के आरोपों को लेकर रविवार को सोसायटी के लोगों ने आरडब्ल्यू के बैनर तले बिल्डर के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। बिल्डर ने लटवार करते कहा कि आरडब्ल्यू को मेंटेनेंस का जिम्मा सौंपने के लिए तीन साल से कहा जा रहा है, लेकिन वह टेकओवर करने को तैयार नहीं है। बिल्डर ने अपनी ओर से सोसायटी के लोगों को हरसंभव सुविधाएं मुहैया कराने का बात कही है।

ओकास रेजिडेंट वेल्फेयर ऐसोसिएशन के अध्यक्ष पवन कुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में सोसायटी के लोग सुबह एकत्रित हो गए। यह लोग नारेबाजी करते हुए बिल्डर के कार्यालय तक पहुंचे। आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने कहा कि सोसायटी के लोगों को मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसना पड़ रहा है। समस्याओं को समाधान को लेकर 20 मई को पारडोस अफोर्डेबल हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक जस्सा सिंह चावला को पत्र भेजकर 30 मई तक की समयसीमा तय की गई थी। इसके बाद भी बिल्डर की ओर से इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाए गए। पत्र के अनुसार सोसायटी की मुख्य और आंतरिक सड़कें कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। जगह-जगह गड्ढे होने से वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निवासियों ने सड़कों की तत्काल मरम्मत तथा स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग की है। निवासियों का आरोप है कि बिना किसी अतिरिक्त सुविधा के मेंटेनेंस शुल्क 12.50 रुपये प्रति वर्ग गज से बढ़ाकर 17 रुपये प्रति वर्ग गज कर दिया गया है। फहअ का कहना है कि सुविधाओं में कोई सुधार नहीं हुआ, इसलिए बढ़ी हुई दरों को वापस लेकर पुरानी दर लागू की जाए। इस मौके पर श्याम सिंह यादव, पंकज कुमार, अशोक कुमार, मोर सिंह व अवनीश आदि शामिल थे।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल

सोसायटी के निवासियों ने हाइवे की ओर पेरिफेरल वाल तथा अन्य हिस्सों में उचित फेंसिंग नहीं होने पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए बाउंड्री वॉल और फेंसिंग का कार्य जल्द कराया जाए। फ्रंट साइड पर सीवेज पानी की निकासी के लिए पर्याप्त ड्रेनेज व्यवस्था नहीं होने से जलभराव और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। फहअ ने उचित ड्रेनेज लाइन और सीवेज निकासी व्यवस्था विकसित करने की मांग रखी है।

एसटीपी स्थानांतरित करने की मांग

निवासियों ने ए-ब्लॉक पार्क के समीप स्थापित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को स्वीकृत नक्शे के अनुसार अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की है। उनका कहना है कि एसटीपी से निकलने वाली दुर्गंध के कारण आसपास रहने वाले परिवारों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। आरडब्ल्यूए ने इस शिकायत की प्रतिलिपि जिला नगर योजनाकार, निदेशक टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, डीसी व अन्य संबंधित अधिकारियों को भेजी हैं।

सीटीपी की जांच डीटीपी की ओर नक्शे के अनुरूप पाई गई

हम तीन साल से आरडब्ल्यूए को मेंटेनेंस का कार्य हैंडओवर करने को कह रहे हैं, लेकिन वह टेकओवर करने को तैयार नहीं हैं। सीटीपी की जांच डीटीपी की ओर नक्शे के अनुरूप पाई गई है। जिस सड़क का जिक्र का किया जा रहा है, वह हमारे दायरे से बाहर है। कई सदस्य मेंटेनेंस शुल्क का भुगतान तक नहीं कर रहे हैं। बातचीत के लिए बुलाने पर कुछ लोग गाली-गलौज व मारपीट तक पर आमादा हो जाते हैं। हम बातचीत के जरिए हर समस्या का समाधान करना चाहते हैं, परंतु कुछ लोग झूठे आरोप लगाकर बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं।
-जस्सा सिंह, बिल्डर, ओकास सोसायटी।